एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 5642, वर्ग - 'ब'

द्वितीय प्रश्न पत्र: वेदान्त तथा मीमांसा दर्शन

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य: प्रथम अध्याय प्रथम पाद के **1-4** सूत्र
2. ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय - द्वितीयपादमात्र
3. अर्थसंग्रह "लौगाक्षि भास्कर"

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई	-	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य प्रथम अध्याय, प्रथमपाद के **1-4** सूत्र
द्वितीय इकाई-		ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य द्वितीय अध्याय, द्वितीय पाद के **1-27** सूत्र
तृतीय इकाई	-	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य द्वितीय अध्याय, द्वितीयपाद के **28-45** सूत्र
चतुर्थ इकाई	-	अर्थसंग्रह "लौगाक्षि भास्कर" प्रारंभ से विधिभाग पर्यन्त
पंचम इकाई	-	अर्थसंग्रह **-** मन्त्र, नामधेय, निषेध एवं अर्थवाद

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है -

(क) ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य के **1-4** सूत्रों के सूत्र अथवा भाष्य के रूप में दो व्याख्येय अंश देकर किसी एक की संस्कृत में व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद के **1-27** सूत्रों में से दो सूत्र देकर किसी एक सूत्र की शाङ्करभाष्य के आलोक में व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद के **28-45** सूत्रों में से दो सूत्र देकर किसी एक सूत्र की शांकरभाष्य के आलोक में व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) में से कोई दो व्याख्येय अंश देकर किसी एक की व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) अर्थसंग्रह में विवेचित विषयों में से कोई दो विषय देकर एक का विवेचन पूछा जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15** अंक

1. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य के प्रथम अध्याय के प्रथमपाद के **1-4** सूत्र में विवेचित विषयवस्तु से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जाएगा।

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15** अंक

2. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद में विवेचित विषयवस्तु से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जाएगा। इस प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधारस्वरूप होंगे -

शांकर वेदान्त की दृष्टि से सांख्य, कणाद (वैशैषिकमत), बौद्ध-सर्वास्तिवाद एवं वैनाशिक विज्ञानवादी, आर्हत (जैन), तटस्थ ईश्वर कारणवादी (तार्किक) मतों का खण्डन।

सहायक पुस्तकें -

1. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य - व्या. स्वामी योगीन्द्रानन्द

2. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य - व्या. स्वामी सत्यानन्द

3. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य (चतु. सूत्री) - व्या. आचार्य विश्वेश्वर

4. सिद्धान्तबिन्दु - डॉ. बाबूलाल शर्मा

5. अद्वैतवेदान्त - डॉ. राममूर्ति शर्मा

6. शांकरोत्तरवेदान्त में मिथ्यात्वनिरूपण - डॉ. अभेदानन्द
7. अद्वैत एवं द्वैताद्वैत तत्त्वमीमांसा - डॉ. अभेदानन्द
8. Philosophy of Advaita - T.M.P. Mahadevan
9. Advaita Vedanta - M.K. Venkata Ram Ayer
10. Indian Idealism - S.N.Das Gupta
11. मीमांसादर्शन - वाचस्पति उपाध्याय
12. भारतीयदर्शन - प्रथम एवं द्वितीय भाग - डॉ. एस.एन. दासगुप्ता
13. भारतीयदर्शन - प्रथम एवं द्वितीय भाग - डॉ. राधाकृष्णन्
14. भारतीयदर्शन - सम्पादक डॉ. एन.के. देवराज

*****